खोया कुत्ता

एक सच्ची कहानी

मोनिका कार्नेसी

खोया कुत्ता

एक सच्ची कहानी

मोनिका कार्नेसी

सर्दियों के दौरान, किसी भी ठंडे दिन, बर्फ की चादरें विस्तुला नदी पर तैरती हैं और फिर बाल्टिक सागर की ओर बह जाती हैं.

पानी में कुछ चल रहा है!

वो क्या है?

क्या वो चिड़िया है?

नहीं.

क्या वो मछली है?

नहीं.

वो एक कुत्ता है!

एक छोटा कुत्ता जो बर्फ पर बह रहा है!

"क्या कोई उसकी मदद कर सकता है?

कृपया, उस कुत्ते की मदद करो!"
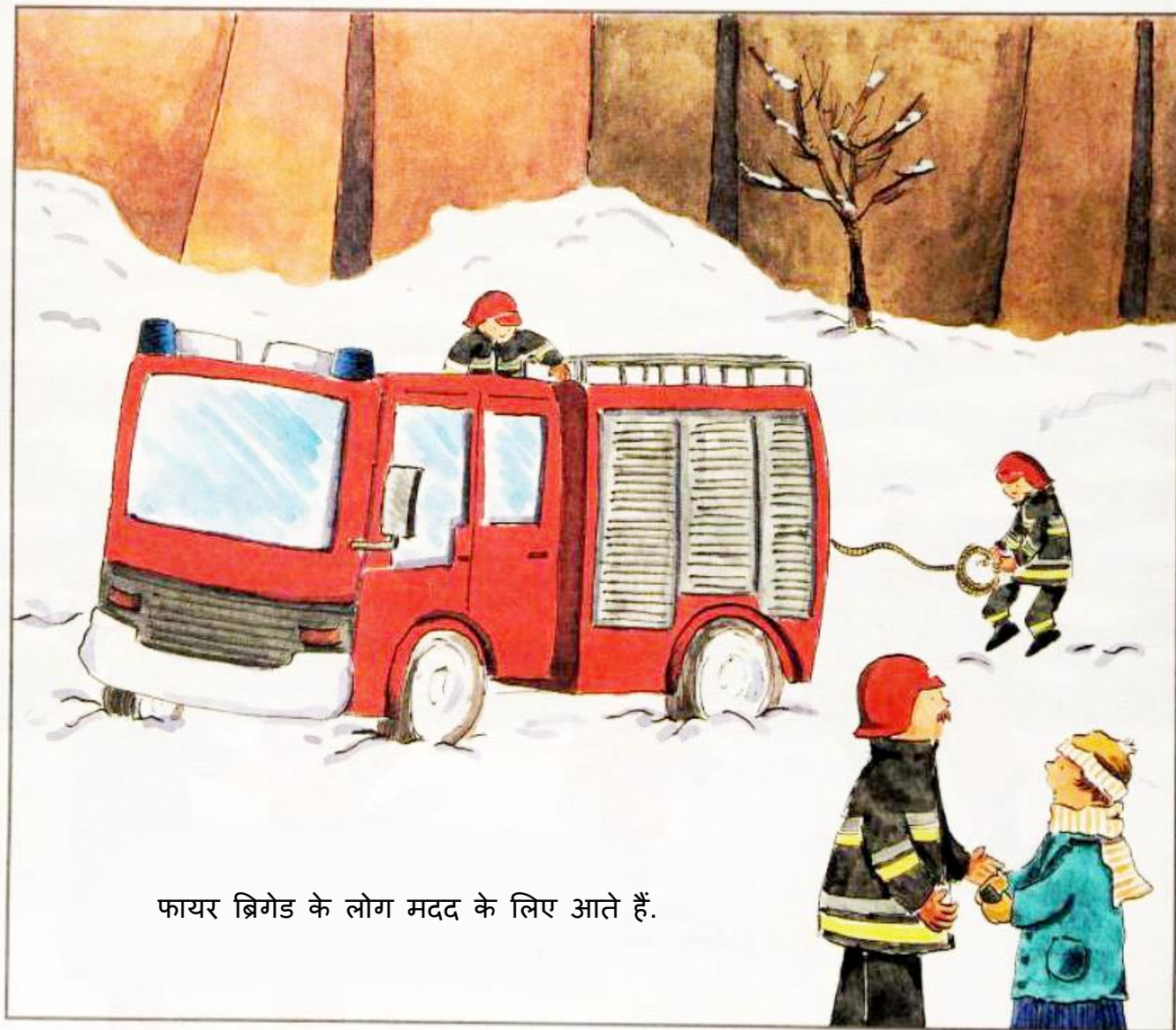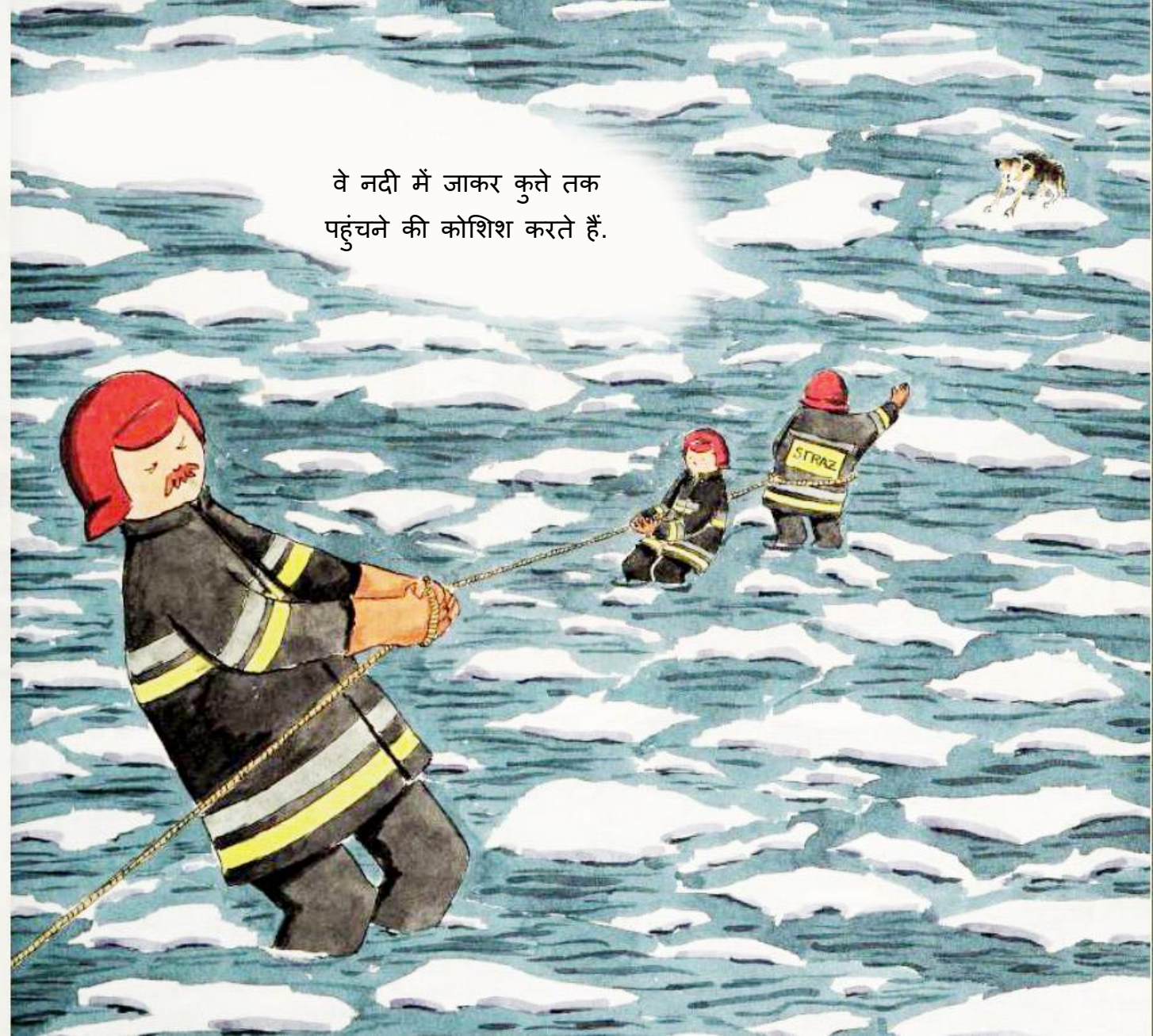
वे नदी में जाकर कुत्ते तक
पहुंचने की कोशिश करते हैं.

फायर ब्रिगेड के लोग मदद के लिए आते हैं.

लेकिन नदी का बहाव बहुत तेज है.

छोटा कुत्ता धारा के साथ दूर बह जाता है,

कुत्ता इमारतों और लोगों को अपने पीछे छोड़ जाता है.

कुत्ता सबको पीछे छोड़ देता है.

कुत्ते का मोटा फर उसे गर्म रखता है.

लेकिन कुत्ता गीला और थका है और वो भूखा है.

और वो डरा हुआ है.

डरो मत, कुत्ते!

एक जहाज आ रहा है!
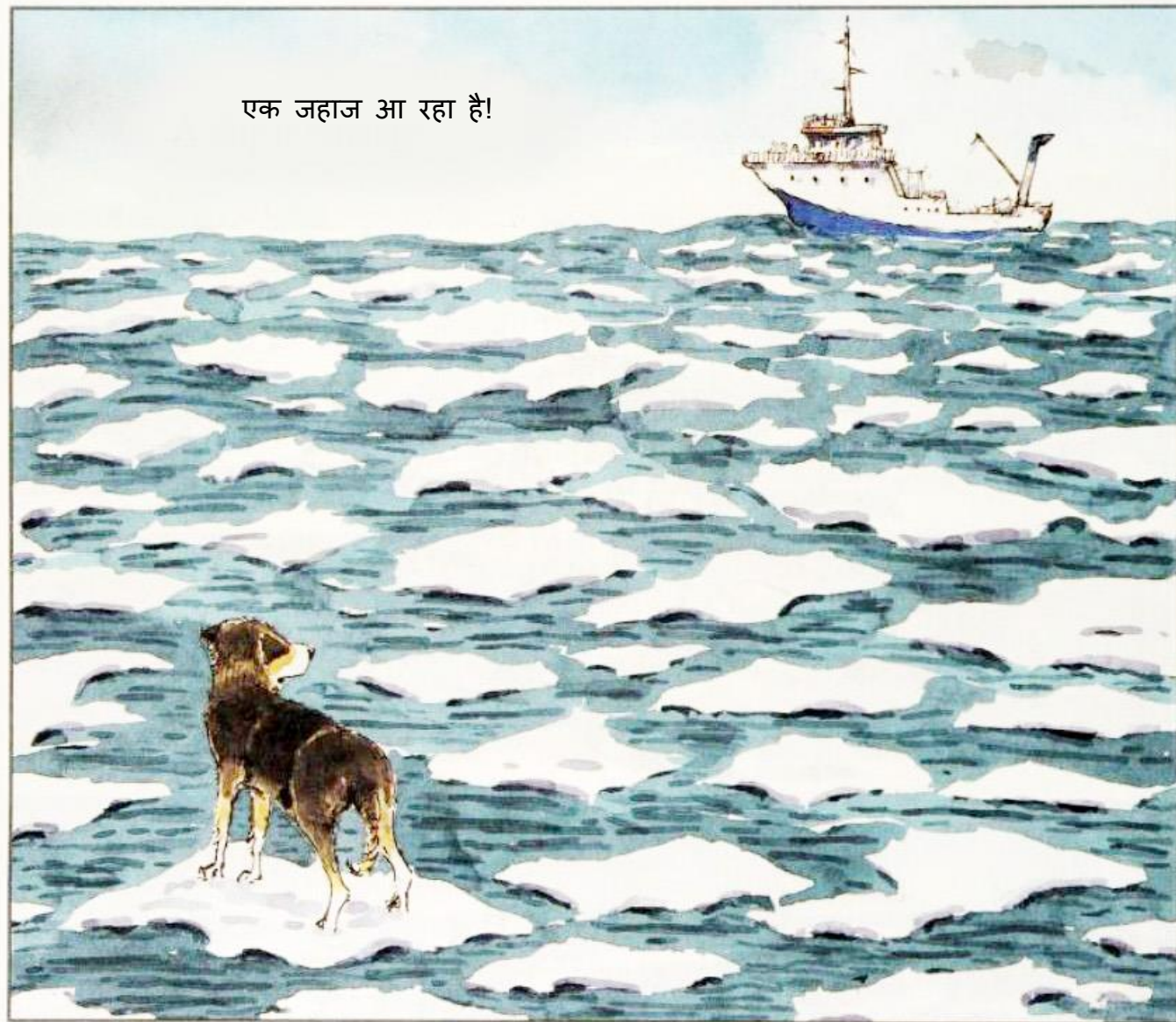
चालक दल बर्फ पर कुछ देखता है.

क्या वो एक सील है?

नहीं.

उसके चार पैर, कान और एक पूंछ है.

"वो एक कुत्ता है! चलो उसकी मदद करते हैं!"

चालक दल एक लम्बे बांस से एक बड़ा जाल लटकाता है.

इसमें कूदो, कुत्ते!

लेकिन कुत्ता जाल में से फिसल जाता है.

वो फिर से पानी में गिर जाता है.
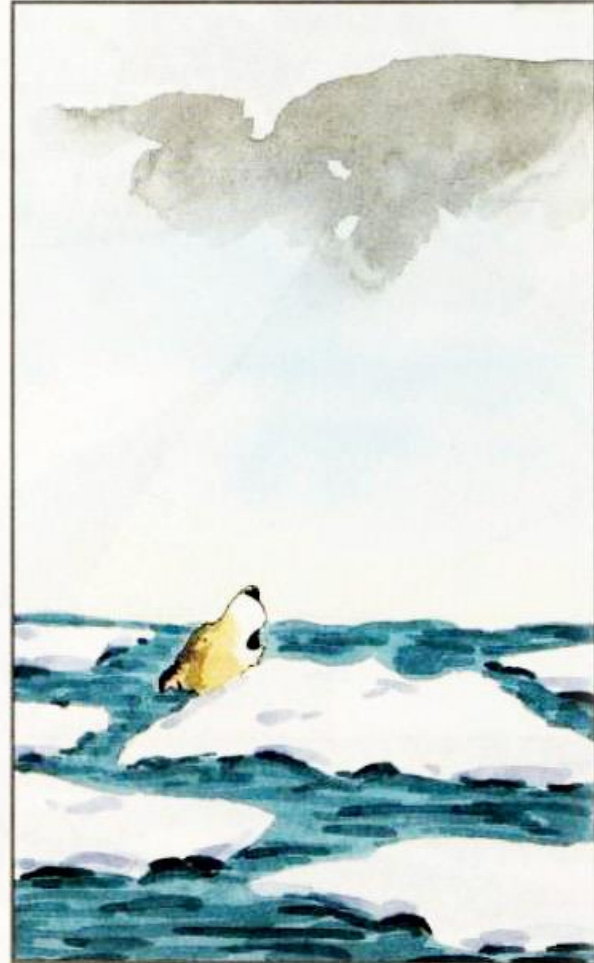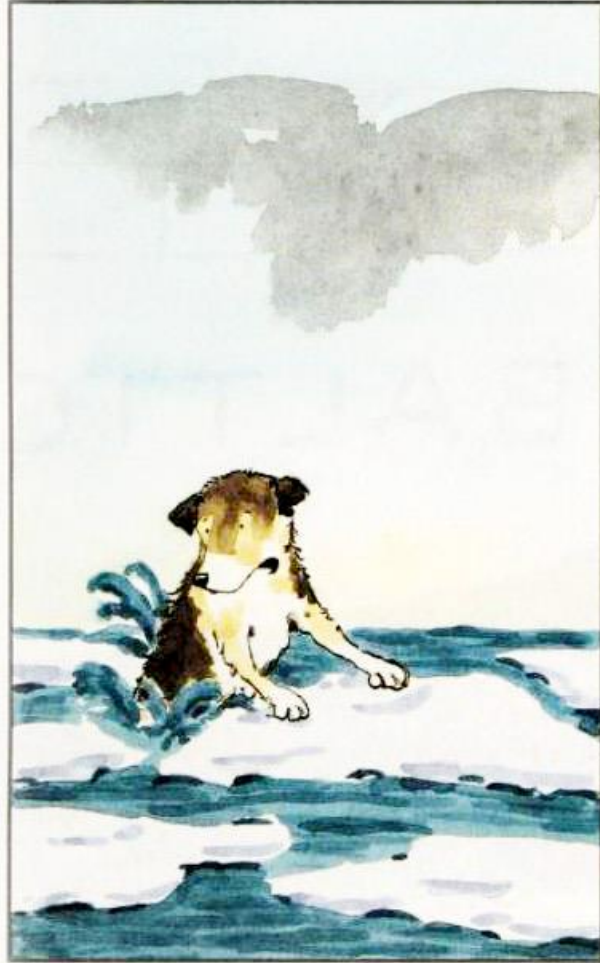
धत्तेरे की! अब कुत्ता कहाँ है?

वो वहाँ है!

कुत्ता वापस बर्फ की एक शीट पर चढ़ जाता है.
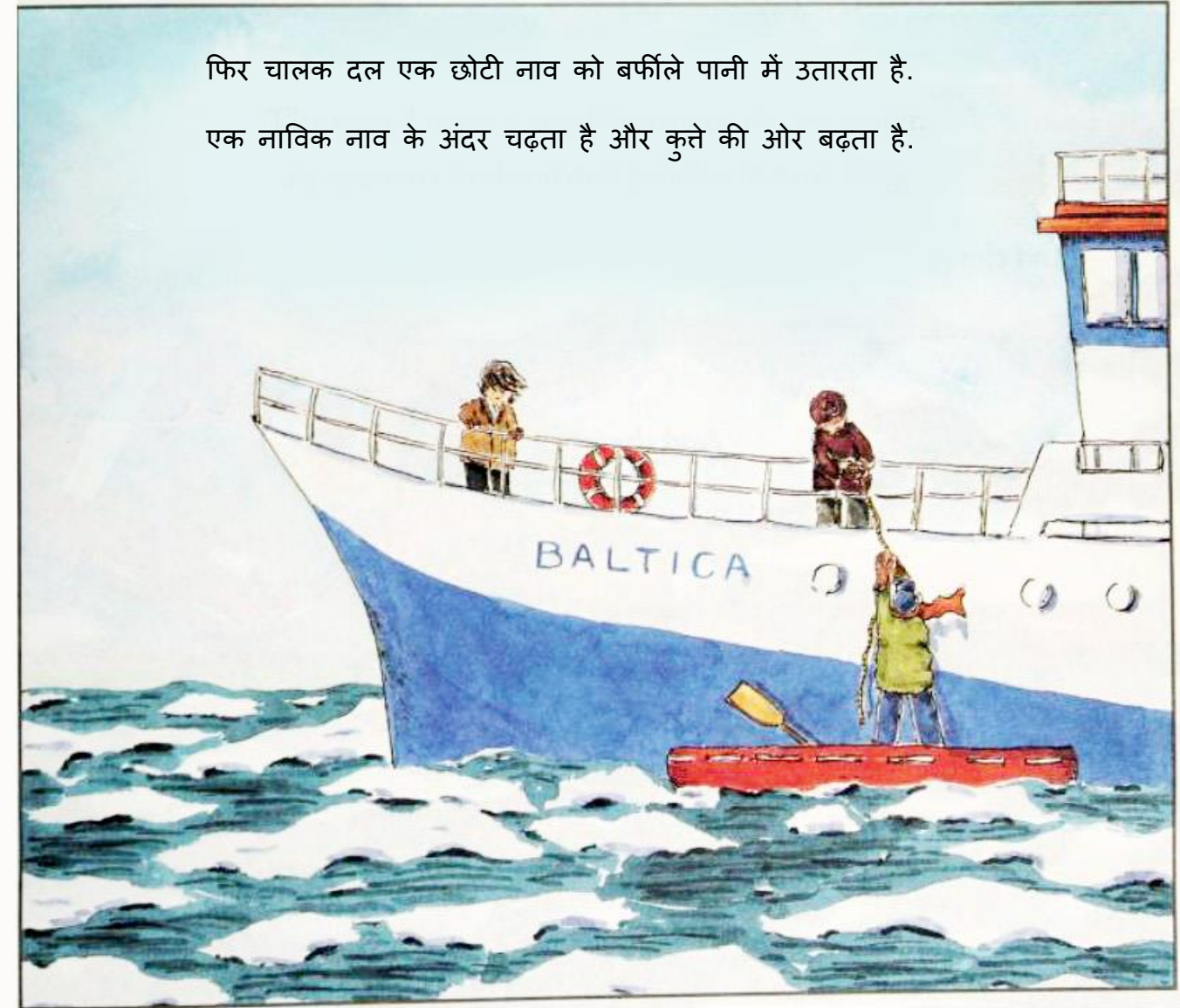
फिर चालक दल एक छोटी नाव को बर्फीले पानी में उतारता है.

एक नाविक नाव के अंदर चढ़ता है और कुत्ते की ओर बढ़ता है.

वो कुत्ते के करीब पहुँचता है.

और करीब.

और फिर ...
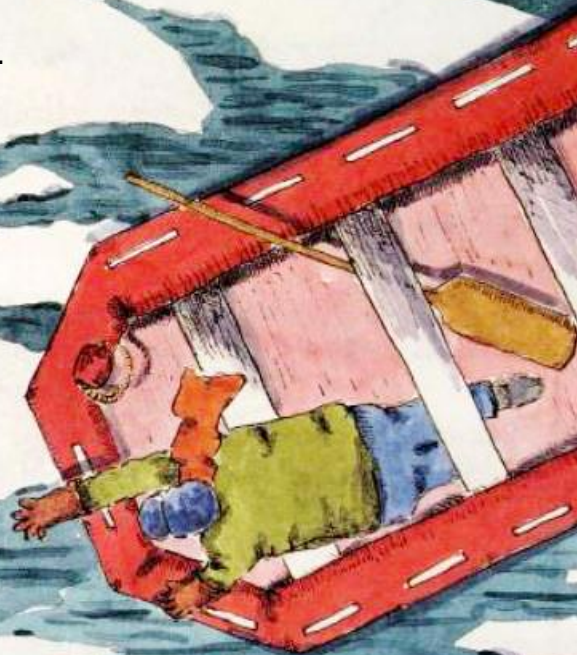
वो कुत्ते को बचा लेता है!

"जल्दी करो, तौलिए लाओ!

जल्दी से कंबल लाओ!"

जहाज़ के सभी लोग कुत्ते की मदद करते हैं.
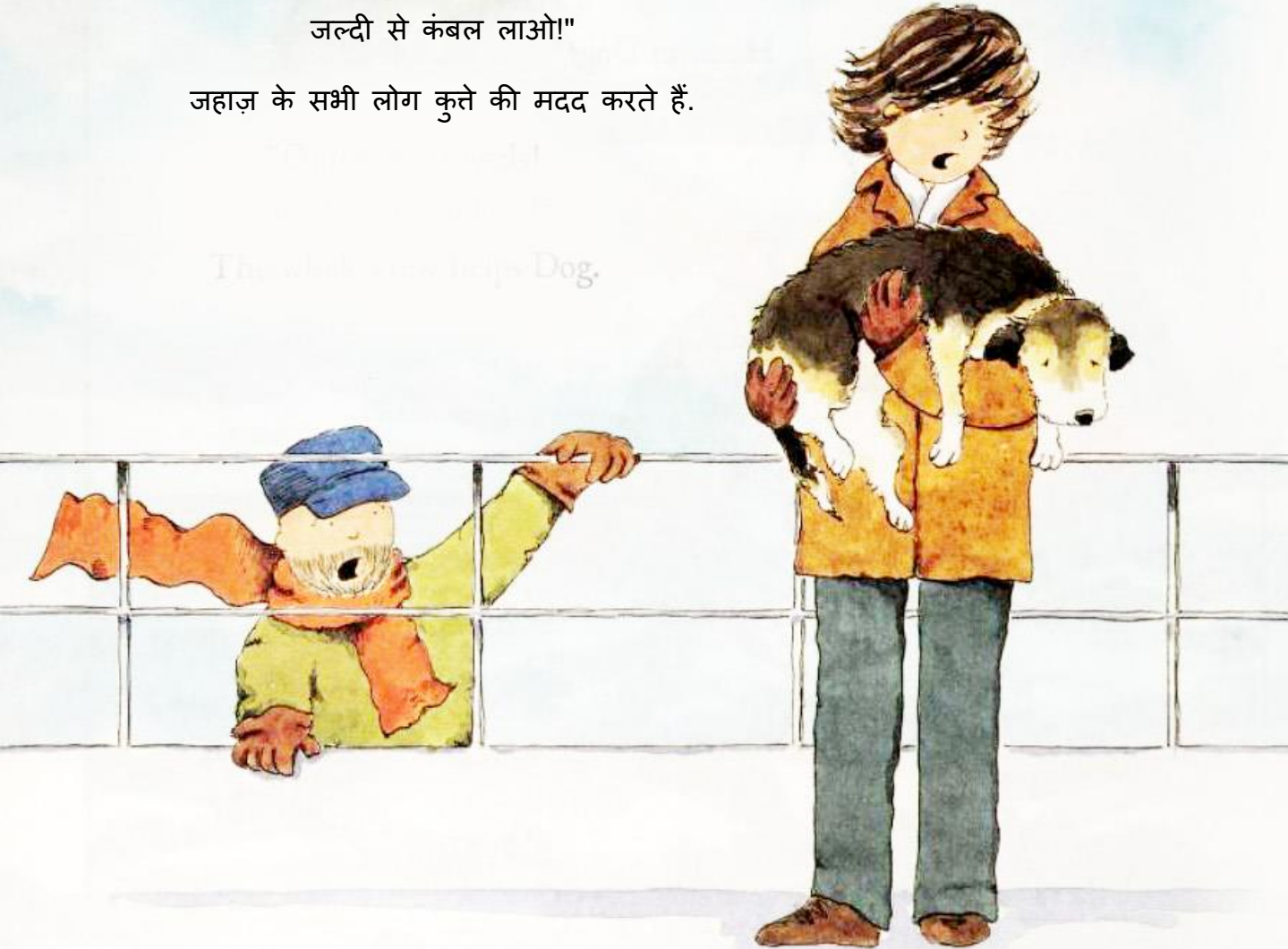
क्या कुत्ता ठीक-ठाक है?

कुत्ता इतना कमजोर और इतना थका हुआ है
कि वो बड़ी मुश्किल से ही उठ पाता है.

अंत में, कुत्ता गर्म होता है,

और सूखता है.

फिर वो खाकर सो जाता है. अंत में कुत्ता जहाज पर सुरक्षित है.

जब कुत्ता जागता है, तो वो उन लोगों की
तलाश करता है जिन्होंने उसे बचाया था.

वे नाश्ता कर रहे हैं.

कुत्ते को जगा हुआ देख
हर कोई खुश होता है.

वे कुत्ते को एक मीट का
टुकड़ा देते हैं.

कुत्ता उस आदमी को ढूंढता है जिसने उसे पानी से बाहर निकाला था.

कुत्ता अपनी नाक से उसका पैर रगड़ता है.

इस तरह वो कहता है "धन्यवाद."

"तुम्हारा स्वागत है, दोस्त.

तुम्हारा स्वागत है ... बाल्टिक!

अब से हम तुम्हें "बाल्टिक" नाम से बुलाएंगे!"
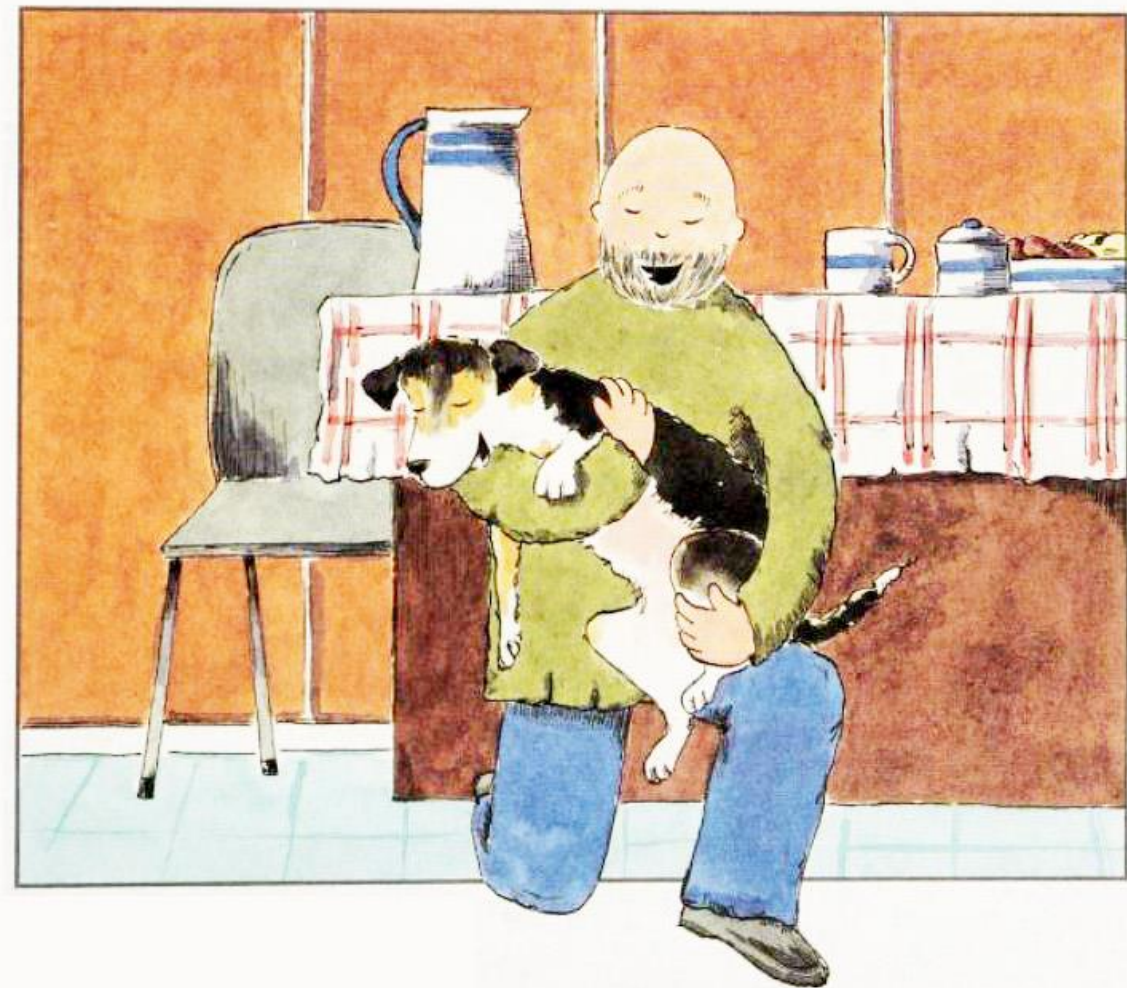
और इसी तरह उस बहादुर छोटे कुत्ते को
उसका नाम और एक नया घर मिलता है.

बाल्टिक भी जहाज़ के चालक दल
में शामिल हो जाता है!

बर्फ मे फंसा कुत्ता

इंजीनियर एडम बुक्ज़िन्स्की
के साथ बाल्टिक

लेखक का एक नोट

शनिवार, 23 जनवरी, 2010 को, बाल्टिक सागर में डांस्क की खाड़ी से 60 मील दूर, पोलैंड के ग्रुडज़ियादज़ शहर के पास, विस्तुला नदी पर एक कुत्ते को बर्फ पर तैरते हुए देखा गया. कोई नहीं जानता कि वो कुत्ता बर्फ में कैसे फंसा था.

समाचार रिपोर्टों के अनुसार, ग्रुडज़ियादज़ की फायर ब्रिगेड ने उसे बचाने का प्रयास किए लेकिन वे असफल रहे. तमाम बाधाओं के बावजूद, कुत्ता दो दिनों तक बर्फ पर तैरने में सक्षम रहा, और अपने मोटे फर कोट के कारण वो पोलैंड के सबसे ठंडी सर्दी से बचा रहा. सोमवार, 25 जनवरी, 2010 को, कुत्ते को, आर/वी 'बाल्टिका', एक वैज्ञानिक अनुसंधान जहाज़, के चालक दल ने बाल्टिक सागर में तट से 15 मील की दूरी पर बहते हुए देखा.

कुत्ते को बचाने का प्रयास तुरंत शुरू हुआ लेकिन वो काफी मुश्किल साबित हुआ. जहाज को करीब ले जाने से वहां की बर्फ हिल गई और परिणामस्वरूप, कुत्ता कई बार पानी में गिर गया. फिर कुत्ते तक पहुँचने के लिए उत्सुक, चालक दल के एक इंजीनियर एडम बुक्ज़िन्स्की ने, एक छोटी पोंटून नाव को पानी में उतारा. काफी मुश्किलों के बाद वो कुत्ते के पास की बर्फ के करीब पहुंचने में सक्षम हुआ और फिर उसने कुत्ते को बचाया.

चालक दल ने कुत्ते को "बाल्टिक," नाम दिया. कुत्ता जल्द ही चालक दल के सदस्यों से जुड़ गया क्योंकि उसके मूल मालिकों को खोजने के सभी प्रयास विफल हुए. फिर बाल्टिक को इंजीनियर बुक्ज़िन्स्की (चित्रित) ने अपना पालतू कुत्ता बनाया. अब वो कुत्ता आर/वी 'बाल्टिका' क्रू का आधिकारिक सदस्य है और उसने कई शोध मिशनों में भाग लिया है. वो समुद्र में, जहाज़ के ब्रिज पर बैठकर समुद्री चीलों को देखने का आनंद लेता है.

बाल्टिक कुत्ते के साहस और बचाव की कहानी ने पूरी दुनिया में सुर्खियां बटोरी.